Ans. (b) : कतरियासर (बीकानेर) जसनाथी सम्प्रदाय की गद्दी है। कतरियासर राजस्थान के बीकानेर जिले का एक प्रसिद्ध गांव है। यहां का जसनाथ जी महाराज व सती माता मन्दिर मुख्य दर्शनीय स्थल है। जो जसनाथी संप्रदाय की मुख्य पीठ है। जनसाथी सम्प्रदाय एक जाट जाति का सिद्ध सम्प्रदाय है। बमली, लिखमादेसर, पांचलासिद्धा, पुनरासर, मालासर जसनाथी संप्रदाय की उपपीठ है। इस संप्रदाय में दो प्रकार के अनुयायी थे।
1. सिद्ध, 2. जसनाथी जाट। सिंभुदड़ा एवं कोड़ा ग्रंथो में जसनाथी संप्रदाय के उपदेश है।

749. सिंभूदड़ा एवं कोडा ग्रंथों में किस संप्रदाय के उपदेश है?
(a) बिश्नोई संप्रदाय
(b) हरभूजी
(c) जसनाथी संप्रदाय
(d) बिश्नोई और जसनाथी संप्रदाय

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020

Ans. (c) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

750. बमलू, लिखमादेसर, पांचला सिद्धा किस संप्रदाय से संबंधित है?
(a) विश्नोई सम्प्रदाय
(b) निम्बार्क सम्प्रदाय
(c) रामस्नेही सम्प्रदाय
(d) जसनाथी सम्प्रदाय

Gram Vikash Adhikari (Mukhya Pariksha) 09-07-22

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

751. राजस्थान के कौन से प्रसिद्ध सन्त बीकानेर के कतरियासर से संबंधित हैं?
(a) हरि दास (b) सिद्ध जसनाथ
(c) जांभोजी (d) दरियावली

संगणक भर्ती परीक्षा -2018

Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

752. संत जसनाथ जी के बारे में कौनसा कथन सही नहीं है?
(a) इनका जन्म 1482 ई. बीकानेर के कतरियासर गाँव में हुआ।
(b) कतरियासर में इन्होंने 12 वर्ष तक साधना की।
(c) 1506 ई. में इन्होंने कतरियासर में समाधि ली।
(d) इनके उपदेश ''सिंधूधड़ा'' व ''कोंड़ा'' नामक ग्रंथ में संगृहीत है।

JEN Civil Diploma 21.08.2016

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

753. भगत पंथ के प्रतिपादक कौन थे?
(a) मोतीलाल तेजावत (b) गोविन्द गिरी
(c) रूपाजी (d) विजयसिंह पथिक

RPSC Van Rakshak 11.12.2020 (3 to 5 pm)

Ans. (b) : भगत पंथ के प्रतिपादक 'गोविन्द गिरी' थे। गोविन्द गिरि ने भगत आंदोलन 1890 ई. के दशक में शुरू किया था। गोविन्द गिरि भारत के एक सामाजिक और धार्मिक सुधारक थे, जिन्होंने वर्तमान राजस्थान और गुजरात के आदिवासी बहुल सीमावर्ती क्षेत्रों में भगत आंदोलन चलाया था।

754. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए–

रामस्नेही सम्प्रदाय की शाखा	प्रवर्तक
A. सिंहथल	I. सन्त रामचरण
B. रैण	II. सन्त हरिराम दास
C. खेड़ापा	III. सन्त रामदास
D. शाहपुरा	IV. सन्त दरियाव

	A	B	C	D
(a)	I	III	II	IV
(b)	II	IV	III	I
(c)	I	II	III	IV
(d)	III	I	IV	II

RPSC ST-81 G.K. & Horticulture 28-10-2018

Ans. (b) : रामस्नेही सम्प्रदाय की शाखा और उनके प्रवर्तक का सुमेल निम्नलिखित है–

रामस्नेही सम्प्रदाय की शाखा	प्रवर्तक
A. सिंहथल	II. सन्त हरिराम दास
B. रैण	IV. सन्त दरियाव
C. खेड़ापा	III. सन्त रामदास
D. शाहपुरा	I. सन्त रामचरण

755. संत दरियावजी रामस्नेही संप्रदाय की किस शाखा के प्रवर्तक थे?
(a) शाहपुरा (b) सिंहथल
(c) रैण (d) खेडापा

Puskalyadyaksh Grade III 2018 Exam-19.09.2020

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

756.शाहपुर (भीलवाड़ा) में जिस संप्रदाय की पीठ स्थित है, वह है–
(a) दादू संप्रदाय (b) वल्लभ संप्रदाय
(c) निम्बार्क संप्रदाय (d) रामस्नेही संप्रदाय
उत्तर – (d)

RPSC RAS/RTS 2008

व्याख्या – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

757. रामस्नेही सम्प्रदाय की रैण शाखा के प्रवर्तक थे-
(a) संत रामचरण जी
(b) संत दरियाव जी
(c) संत हरिराम दास जी
(d) संत हरिदास जी

Basic Computer Anudeshak-18.06.2022

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

758. रामस्नेही सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ (गद्दी) स्थित है-
(a) समदड़ी (बाड़मेर) में
(b) सलेमाबाद (अजमेर) में
(c) गलता (जयपुर) में
(d) शाहपुरा (भीलवाड़ा) में

Agriculture Superviser 2021

Ans. (d) : राम स्नेही सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ (गद्दी) शाहपुरा (भीलवाड़ा) में संत रामचरण दास ने इस सम्प्रदाय की स्थापना की।
रामस्नेही सम्प्रदाय के अन्य केन्द्र-

	केन्द्र		संस्थापक
(i)	रैण मेड़ता (नागौर)	-	संत दरियाव
(ii)	सिंहथल (बीकानेर)	-	संत हरिराम दास
(iii)	खेड़ापा (जोधपुर)	-	संत रामदास